RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 02 अक्टूबर 2023 वर्ष 05 अंक 159 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

# दक्षिण मुंबई में ईद-ए-मिलादुन्नबी में डीजे के नाम पर स्पीकर पर था पाबंदी

## जुलूस में हुई देरी... लोग हुए नाराज ! सिर्फ हुई नेता और फोटो बाजी !

मुंबई : ईद-ए-मिलादुन्नबी का दिन और गणेश विसर्जन 28 तारिख को होने के कारण एक दिन बाद यानी 29 तारिख को मनाने का फैसला किया गया था, दोनों त्यौहार एक साथ आने के कारण दोनों गुटों के जुलूस में टकराव न हो इस लिए चांद रात से पहले यह फैसला किया गया ।

इस ईद-ए-मिलादुन्नबी जुलूस को लेकर काफी मीटिंग और फोटो बाजी हुई या ऐसा कह सकते की टीआरपी के लिए जो मौलाना खुद फोटो वीडियो बनवाते हैं जो की हराम है, इन्ही के मौलाना अहमद राजा खान का फतवा है बावजूद इसके वो डीजे को स्पीकर की शक्ल दे कर पाबंदी लगाने की मांग किए थे, हद तो तब हुई जब एक मौलाना ने वीडियो में हरामखोर कहा जो स्पीकर लगाएगा। स्पीकर पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के काफी आदेश है जो पाबंदी के खिलाफ है. सिर्फ आवाज के मयार्दा में सुना जाए यह शर्त है। यही मौलाना नात बयान में बड़े बड़े स्पीकर का इस्तेमाल करते है इनके संगठन और खुद के यूट्यूब, फेसबुक एकाउंट भी है, जिसमे आपने फोटो - वीडियो डाला करते है।

दक्षिण मुंबई में ईद-ए-मिलादुन्नबी के दिन मुँबई पुलिस के डीसीपी ने शरीयत कानून मौलाना के बोलने का अमल किया स्पीकर पाबंदी लगाई और खुद स्पीकर निकाले जिसने लगाए थे । भारत में स्पीकर पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के काफी आदेश है जो पाबंदी के खिलाफ है. सिर्फ आवाज के मयार्दा में सुना जाए यह शर्त है। लेकिन 29 तारिख को इसके उल्टा काम हुए मौलानाओ की जीत हुई कानून की हार यही समझा जा सकता है ?

जुलूस निकलते समय काफी देरी हुई क्यों कि वीआईपी मेहमान नही आए थे, इसके कारण दूसरे जुलूस निकालने वालो को दिक्कतों का सामना करना पड़ा और बहुत री जुलूस को लौटना पड़ा । अब लोगो को यही समझ नहीं आया की दक्षिण मुंबई में ईद-ए-मिलादुन्नबी का दिन था या राजनीति करने का समय ?

# माहिम में ईद मिलाद उन नबी बड़े धूम धाम से बनाया गया

## बाबा की पालकी माहिम के गली गली घूमी हजारो लोगो ने किए शिरकत

**माहिम :** ईद मिलाद उन नबी 29 तारिक को मुँबई में मनाया गया और भाई चारे का संदेश दिया गया । माहिम में ईद मिलाद उन नबी बड़े धूम धाम से बनाया गया सुबह हजारो बच्चो का जुलूस निकाला गया लोगो जगह जगह जुलूस के मार्ग पर बच्चो को बिस्कुट आइस क्रीम , चॉकलेट , जूस बता गया और दुपहर में बाबा की पालकी माहिम के गली गली घूमी हजारो लोगो ने शिरकत किए , यही हाल धारावी , कुर्ला और अन्य जगह पर था मुंबई पुलिस के जोन 5 के डीसीपी मनोज पाटिल खुद अपनी टीम की साथ अपने जोन में गश्त कर रहे तेह और सफलता के साथ गणेश उत्सव और ईद मिलाद उन नबी के त्योहार बनाया गया ।

# 'वाघ नख' तीन साल के लिए भारत आएगा

## फडणवीस बोले- आदित्य ठाकरे का सवाल बचकाना, जवाब देने लायक नहीं

**महाराष्ट्र :** छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रसिद्ध वाघ नख यानी बाघ के पंजे वाले खंजर को तीन साल के लिए ब्रिटेन के संग्रहालय से महाराष्ट्र वापस लाया जाएगा। रविवार देर रात ब्रिटेन के लिए रवाना होने वाले राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर के बाद वाघ नख को जल्द ही महाराष्ट्र वापस लाए जाने की संभावना है। शिवाजी महाराज ने 1659 में बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खान को मारने के लिए वाघ नख का इस्तेमाल किया था। इस बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी महाराज के पंजे के आकार के हथियार 'वाघ नख' की प्रामाणिकता पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के सवालों को रविवार को 'बचकाना' और 'जवाब नहीं देने लायक' बताया।

फडणवीस ने यह भी कहा कि (अविभाजित) शिवसेना का इस तरह के 'अपमानजनक' सवाल पूछने का इतिहास रहा है और आरोप लगाया कि उसके नेता संजय राउत ने एक बार महान योद्धा राजा की वंशावली पर सवाल उठाया था।

**आदित्य ठाकरे ने पूछा था यह सवाल**

ठाकरे ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूछा था कि ब्रिटेन के संग्रहालय से महाराष्ट्र लाया जा रहा वाघ नख क्या स्थायी रूप से यहां रहेगा या यह कर्ज पर है और क्या यह छत्रपति शिवाजी महाराज का है या उस युग का है।

**फडणवीस बोले- आदित्य ठाकरे का सवाल बचकाना**

फडणवीस ने रविवार को यहां एक स्वच्छता कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा कि शिवसेना (अविभाजित) का इस तरह के अपमानजनक सवाल उठाने का इतिहास रहा है। (राज्यसभा सांसद) संजय राउत ने भी एक बार छत्रपति शिवाजी महाराज के वंश पर सवाल उठाया था। (आदित्य) ठाकरे का सवाल बचकाना है। मैं इसका जवाब नहीं देना चाहता।

# 'राज ठाकरे सिर्फ पैसे के लिए करते हैं आंदोलन'

## टोल टैक्स बढ़ने पर सपा नेता अबू आजमी ने लगाया आरोप

**महाराष्ट्र :** सपा नेता अबू आजमी ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे पर टोल के नाम पर आंदोलन करके पैसे सेटलमेंट करने का आरोप लगाया है. दरअसल देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के टोल नाकों पर आज (1 अक्टूबर) से टोल टैक्स के दाम बढ़ जाएंगे, जिसे लेकर विपक्षी पार्टियां सरकार पर भी आरोप लगा रही है. मनसे प्रमुख राज ठाकरे आए दिन मुंबई से जुड़े टोल नाकों पर बढ़ते दामों को लेकर और उन्हें बंद करने के लिए आंदोलन करते रहते हैं.

**सपा नेता ने राज ठाकरे पर लगाया बड़ा आरोप**

समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी से जब पूछा गया कि क्या टोल के बढ़े दामों को लेकर राज ठाकरे सामने आएंगे? उन्होंने जवाब दिया, ''राज ठाकरे का टोल को लेकर आंदोलन सिर्फ पैसे के लिए होता है. पैसे का सेटलमेंट होने के बाद उनका आंदोलन बंद हो जाता है. '' अबू आजमी ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, ''मोदी सरकार सिर्फ मुंबई को लूट रही है. टोल के दाम बढ़ाने की क्या जरूरत है, टोल के बढ़े दाम टोल माफियाओं से मिलीभगत का नतीजा है.'' महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम ने मुंबई की सीमाओं पर मौजूद टोल बूथों पर 1 अक्टूबर से टोल टैक्स बढ़ाने का निर्णय लिया है. मुंबई की सीमा पर 5 टोल बूथ आते हैं, जिसमें ऐरोली, वाशी, दहिसर, मुलुंड और और मुलुंड में ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर टोल बूथ मौजूद है. महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के मुताबिक मौजूदा तय रेट में 1 अक्टूबर से कारों के लिए 5 रुपये, मिनी बसों के लिए 10 रुपये, ट्रकों और बसों के लिए 20 रुपये टोल टैक्स की बढ़ोतरी होगी.

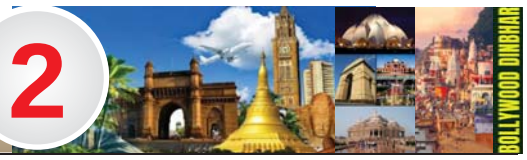


## संपादकीय / लेख

# संभावनाओं के बीच सतर्कता...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में शेयर बाजार के प्रदर्शन से निवेशक संतुष्ट नजर आ रहे हैं। इसके लिए उनके पास पर्याप्त कारण भी मौजूद हैं। परंतु, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में सतर्क दृष्टिकोण रखने के भी पर्याप्त कारण हैं। इस वर्ष अप्रैल के बाद से वृहद बाजार सूचकांक 12-13 प्रतिशत तक उछल चुके हैं, किंतु पहली तिमाही में आय वृद्धि दर धीमी अवश्य रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर भी सुस्त रही है जिसका असर निर्यात में कमी के रूप में दिखेगा और सूचना-प्रौद्योगिकी सेवाओं का कारोबार भी ठंडा रहेगा। ईंधन कीमतों में तेजी भी दबाव बढ़ा रही है। कमजोर निर्यात और ऊर्जा के बढ़े दाम से बा' घाटे बढ़ गए हैं। अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व वर्तमान परिस्थितियों के बीच चौकस है और उसने ऐसे संकेत दिए हैं कि वह दीर्घ अवधि तक ब्याज दरें बढ़ाना और मौद्रिक आपूर्ति पर नियंत्रण जारी रख सकता है। चीन का रियल एस्टेट बाजार भी चिंता का कारण है। वहां का रियल एस्टेट क्षेत्र ऋण और नुकसान के बोझ तले कराह रहा है और कभी भी धराशायी हो सकता है। यूक्रेन युद्ध भी थम नहीं रहा है जिससे दुनिया में अनाज की आपूर्ति बाधित रह सकती है।

मगर कमजोर वैश्विक परिदृश्य और चुनावों के कारण राजनीतिक मोर्चे पर अनिश्चितता बनी रहने के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों का दृष्टिकोण सकारात्मक लग रहा है। खुदरा निवेशकों का उत्साह भी कम नहीं है। हालांकि, पिछले दो महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जोखिम लेने से बचते रहे हैं। 1 अप्रैल से 28 सितंबर के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों (म्युचुअल फंडों को छोड़कर) ने शेयरों में 47,500 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। अप्रैल-अगस्त के मध्य इक्विटी म्युचुअल फंडों में 46,229 करोड़ रुपये निवेश आए हैं। इनमें 80 प्रतिशत से अधिक रकम खुदरा निवेशकों की तरफ से आई है। खुदरा निवेशकों ने छोटे एवं मझोले शेयरों के खंडों में भी सीधे निवेश किए हैं।

अप्रैल-जुलाई अवधि में 74,750 करोड़ रुपये की खरीदारी करने के बाद एफपीआई ने रुपये में जारी 47,312 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की। उनके नजरिये में यह बदलाव फेडरल रिजर्व के कारण आया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नीतिगत दरों में पिछले कुछ समय से कोई बदलाव नहीं किए हैं मगर फेडरल रिजर्व के रुख और मुद्रास्फीति दर नियंत्रण से बाहर जाते देख उसके पास दरें अधिक समय तक अपरिवर्तित रखने या मुद्रा आपूर्ति में ढील देने की गुंजाइश नहीं रह गई है। अच्छी बात यह है कि देश की अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है। कोविड महामारी के स्तरों (2019-20) की तुलना में अधिकांश क्षेत्रों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। सामान्य धारणा यह है कि भारत सर्वाधिक तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। सरकार ने आधारभूत ढांचा विकास और घरेलू रक्षा विनिर्माण एवं खरीद पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अपनी गति बनाए रखने में काफी मदद मिली है।

इस्पात, सीमेंट एवं अन्य औद्योगिक धातुओं की खपत और बिजली की मांग बढ़ने से देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों (कोर सेक्टर) को ताकत मिल रही है। इन क्षेत्रों और रक्षा एवं विनिर्माण क्षेत्रों के शेयरों का प्रदर्शन भी दमदार रहा है। निजी उपभोग एवं निवेश भी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। पूंजीगत वस्तु विनिर्माताओं का कारोबार पूरी रफ्तार से बढ़ रहा है और वाहनों की बिक्री में भी इजाफा हो रहा है। इनके अलावा खुदरा ऋण और नए आवास ऋणों की मांग भी बढ़ी है और क्रेडिट कार्ड से अधिक खरीदारी हो रही है। आने वाले त्योहार महत्त्वपूर्ण होंगे क्योंकि इस दौरान उपभोक्ता बढ़-चढ़ कर खर्च करते हैं। मॉनसून अवश्य उतार-चढ़ाव वाला रहा है। कुछ क्षेत्रों में बेमौसम बारिश हुई है तो कुछ दूसरे क्षेत्रों में कम बारिश हुई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह थोड़ा फीका रह सकता है। मगर चुनाव से जुड़े खर्च व्यय बढ़ने से लोगों की जेब में कुछ रकम आने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# मीरा-भायंदर ऑटो में छूटी महिला को 1.5 लाख का लैपटॉप लौटाने के लिए पुलिस ने अतिरिक्त प्रयास किए

**मीरा-भायंदर:** टैक्सी, ऑटो या सार्वजनिक परिवहन के किसी अन्य साधन में छूट गई आपकी कीमती चीजें वापस मिलने की संभावना आजकल बहुत कम है, हालांकि नवघर पुलिस स्टेशन से जुड़े खाकी कर्मियों ने उसे ढूंढने और वापस करने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए। वह बैग जो वह रविवार को एक ऑटो-रिक्शा में छोड़ गई थी। पर्स में महंगा लैपटॉप, डेढ़ लाख रुपये से ज्यादा कीमत का मोबाइल फोन और अन्य जरूरी दस्तावेज थे। यात्री का बैग कैसे खो गया

पुलिस के अनुसार महिला तनुजा टिकात्री (45) ने एक ऑटो-रिक्शा किराए पर लिया और गोल्डन नेस्ट में अपनी इमारत के पास उतर गई, लेकिन अपना बैग साथ ले जाना भूल गई और उसे इसका एहसास ऑटो के घटनास्थल से चले जाने के बाद ही हुआ। जैसा कि आमतौर पर अधिकांश यात्री करते हैं, उसने भी ऑटो-रिक्शा का पंजीकरण नंबर नोट नहीं किया था। आसपास के क्षेत्र में वाहन को खोजने के असफल प्रयास के बाद, उसने पुलिस को सूचित किया।

पुलिस हरकत में आ गई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक-विजय पवार ने तुरंत ऑटो-रिक्शा का पता लगाने के लिए एक टीम तैनात की।

क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे को स्कैन करने और उक्त मार्ग पर चलने वाले ड्राइवरों से पूछताछ करने के अलावा, टीम ने ऑटो-रिक्शा पर ध्यान केंद्रित किया और बैग पाया जिसके बारे में ड्राइवर भी स्पष्ट रूप से अनजान था। तनुजा को खुशी से आश्चर्य हुआ, जब नवघर पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों ने उसे फोन किया और कहा कि उन्हें लैपटॉप और मोबाइल के साथ उसका खोया हुआ बैग मिल गया है। बैग असली मालिक को लौटा दिया गया, जिसने पुलिस को उनकी त्वरित प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया।

# चुनाव आयोग भाजपा की जेब में है - प्रतिपक्ष नेता विजय वडेट्टीवार

**मुंबई :** प्रतिपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि चुनाव आयोग भाजपा की जेब में है, जो भाजपा के साथ जाएगा उसे सबकुछ दिया जाएगा। कल दो विधायक फूटेंगे तो उन्हें भी चुनाव चिह्न दिया जाएगा। इसी प्रकार चुनाव आयोग अजीत पवार गुट को चुनाव चिह्न देगा। क्योंकि वे भाजपा के साथ हैं और चुनाव आयोग भाजपा की जेब में है। बुलढाणा में एक मुस्लिम युवक को पीटा गया और डोंबिवली में एक दलित युवक को पीटा गया। यह सब एक साजिश के तहत किया जा रहा है, क्योंकि चुनाव नजदीक है। सीधे तरीके से चुनाव भाजपा जीत नहीं सकती है।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास पर गणपति दर्शन के लिए नहीं गए। इस बात की प्रतिपक्ष के नेता ने आलोचना करते हुए कहा कि बाकी लेन-देन में सब साथ हैं और नाराजगी जताने का नाटक कर रहे हैं। ये सब भ्रमित करनेवाला काम है। महाराष्ट्र की जनता को तमाशा न दिखाने की चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि शिंदे की बलि लेने का निर्णय लिया जा चुका है। विसर्जन की तैयारी चल रही है। शिंदे का कभी भी मुख्यमंत्री पद से विसर्जन किया जा सकता है, ऐसा वडेट्टीवार ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा।

संविदा पर कर्मचारियों की भर्ती के विज्ञापन पर विजय वडेट्टीवार ने सरकार पर जोरदार हमला बोला है। तहसीलदार पद के लिए संविदा विज्ञापन जारी किया गया है। कल मुख्यमंत्री पद के लिए भी ऐसा ही विज्ञापन निकालिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का पद छह-छह महीने के लिए संविदा के आधार पर दिया जाना चाहिए।

# ट्रेन रोके जाने के खिलाफ यात्रियों ने किया विरोध प्रदर्शन...

## मुंबई उपनगरीय खंड पर 45 मिनट तक यातायात प्रभावित रहा

**ठाणे:** एक मालगाड़ी के पटरी से उतरने के बाद एक एक्सप्रेस ट्रेन को रोके जाने को लेकर मुंबई से सटे महाराष्ट्र के ठाणे जिले के दिवा में यात्रियों के आंदोलन के कारण रविवार को मध्य रेलवे की मुख्य लाइन पर यातायात लगभग 45 मिनट तक प्रभावित रहा, एक अधिकारी ने कहा। पालघर जिले के पनवेल-कलंबोली सेक्शन पर शनिवार दोपहर मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से उतर गए।

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवराज मानसपुरे ने कहा कि 12133 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-मंगलुरु एक्सप्रेस को आगे मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण रोक दिया गया। उन्होंने कहा, एक्सप्रेस ट्रेन को रोके जाने के कारण इसके यात्रियों ने दिवा (ठाणे जिले में) में आंदोलन किया, जिसके कारण सुबह 9.05 बजे से 9.50 बजे तक मुख्य लाइन यातायात (सीएसएमटी-कल्याण मार्ग) भी प्रभावित हुआ। अधिकारी ने बताया कि आंदोलन समाप्त होने के बाद सुबह नौ बजकर 50 मिनट पर मुख्य लाइन पर यातायात बहाल हो गया।

ठाणे सरकारी रेलवे पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक पंधारी कांडे ने दावा किया कि रेलवे अधिकारी ट्रेन को पुणे के रास्ते मोड़ने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि यात्री इसका विरोध कर रहे थे और आक्रोशित थे। उन्होंने कहा कि यात्री चाहते थे कि ट्रेन पनवेल से चले, जिस पर अधिकारी सहमत हो गए और अब सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

# राजनीतिक दल चुरानेवाली टोली घूम रही है - जयंत पाटील

**मुंबई :** देश के इतिहास में किसी दल के संस्थापक ही उस दल के अध्यक्ष रहे हैं। हालांकि, अब उन्हें ही पद से हटाने का निर्णय कुछ चुनिंदा लोग कहीं और बैठकर ले रहे हैं और वे ही अध्यक्ष हैं, ऐसा दावा करके दल उनके नियंत्रण में है, ऐसा दिखावा कर रहे हैं। राज्य में मौजूदा समय में राजनीतिक दल चुरानेवाली टोली घूम रही है। इस तरह का तंज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने जोड़-तोड़ की राजनीति को लेकर अजीत दादा सहित भाजपा पर कसा है।

इस देश में फिलहाल राजनीतिक दल चुराने का एक नया चलन शुरू है। विधायक गए तो पार्टी उनके पीछे चली जाती है, ऐसी तस्वीर देश में बनने लगी तो कोई भी राजनेता खुद की पार्टी शुरू करने के झंझट में नहीं फंसेगा। क्योंकि विधायक ही जा रहे हैं तो क्या, ऐसा सवाल करते हुए जयंत पाटील ने कल दावा किया कि अजीत पवार के साथ गए राकांपा विधायक जल्द ही घर वापसी करेंगे।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और चुनाव चिह्न घड़ी पर अजीत पवार गुट की ओर से दावा किया जा रहा है। इस संबंध में केंद्रीय चुनाव आयोग ने ६ अक्टूबर को सुनवाई तय की है। इस संबंध में बोलते हुए जयंत पाटील ने कहा कि चुनाव आयोग समझदार है। हमें विश्वास है कि वह सही पैष्ठसला लेगा। लोकसभा और विधानसभा चुनाव की संभावना को देखते हुए उम्मीद है कि जल्द ही इस मामले में पैष्ठसला लिया जाएगा।

# बैनर-पोस्टर नहीं लगाएंगे। चाय-पानी भी नहीं करवाएंगे...

## वोट देना है तो दो... नहीं तो मत दो - नितिन गडकरी

**मुंबई :** लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा एलान किया है। गडकरी ने कहा कि वो इस लोकसभा चुनाव में अपने इलाके में बैनर-पोस्टर नहीं लगाएंगे। किसी को चाय-पानी का इंतजाम भी नहीं करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि मैं लोगों की ईमानदारी से सेवा करूंगा, लेकिन मैं न खाऊंगा और न किसी को खाने दूंगा।

शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री गडकरी महाराष्ट्र के वाशिम जिले में सीमेंट कंक्रीट से बनी सड़क का उद्घाटन करने आए थे। यहां उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया और आगामी लोकसभा चुनाव के बारे में बड़ा

एलान कर दिया। नितिन गडकरी ने कहा, 'मैंने इस लोकसभा चुनाव में सोच लिया है कि बैनर-पोस्टर नहीं लगाएंगे। चाय-पानी भी नहीं करवाएंगे। वोट देना है तो दो॒ नहीं तो मत दो।

नितिन गडकरी अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं। अक्सर देखा गया है कि वो अपने विभाग से संबंधित कामों को लेकर अलर्ट रहते हैं। यहां तक कि खुले मंच पर कहते हैं कि मैं गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करता हूं। अच्छी तरह से काम करना चाहिए। इतना ही नहीं, गडकरी को ठेकेदारों का बचाव करते भी देखा जाता है। हाल ही में उन्होंने वाशिम में एक कार्यक्रम में कहा था, ठेकेदारों को परेशान न करें। मैं वाशिम जिले के सभी विधायकों, सांसदों और अधिकारियों से अनुरोध करता हूं, मैं ठेकेदार पर दबाव डालूंगा और काम करवाऊंगा, लेकिन कृपया ठेकेदार को परेशान न करें। लेकिन अगर सड़क टूटी तो बुलडोजर से तोड़ दूंगा। इस तरह की चेतावनी भी गडकरी ने ठेकेदारों को दी थी।

# महामारी के बाद से मोबाइल के एडिक्ट हो रहे हैं बच्चे

**मुंबई :** कोरोना महामारी के बाद से बच्चे मोबाइल के एडिक्ट हो रहे हैं। मुंबई के अस्पतालों में मानसिक रोग विभाग में रोजाना कई बच्चे ऐसे आते हैं, जो मोबाइल एडिक्ट हैं। अब बच्चे फिजिकली खेलने-कूदने की बजाय सिर्फ ऑनलाइन गेम खेलना ही पसंद करते हैं। अध्ययन में बताया गया है कि महामारी के दौरान बच्चों के बीच मोबाइल के उपयोग में वृद्धि हुई है। मोबाइल की लत बड़ों के साथ ही बच्चों के दिमाग की एकाग्रता को भंग करने का काम कर रही है। इसका असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है।

# महिलाओं को ३३ फीसदी आरक्षण कब मिलेगा यह निश्चित नहीं - सुप्रिया

**मुंबई :** लोकसभा और देश की सभी विधानसभाओं में महिलाओं को ३३ फीसदी आरक्षण देनेवाला महिला आरक्षण बिल, नारी शक्ति वंदन कानून संसद के दोनों सदनों में पास हो गया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस बात की कोई तारीख स्पष्ट नहीं की है कि यह आरक्षण कब लागू किया जाएगा। महिला आरक्षण को लागू करने के लिए सरकार को कई चीजें पूरी करनी होंगी। देश की जनगणना, निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन, आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों का चयन जैसे कई चरणों से गुजरने के बाद महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। यह नहीं बताया जा सकता कि इन सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने में कितने साल लगेंगे। सुप्रिया सुले ने कहा कि अफसोस सिर्फ इस बात का है कि केंद्र सरकार ने हमें (महिला) आरक्षण देने का फैसला किया है, लेकिन उसने ऐसा चेक दिया है जिस पर कोई तारीख नहीं है। यह आरक्षण २०२९ में मिलेगा, २०३४ में मिलेगा या कब मिलेगा यह निश्चित नहीं है।

# टोल टैक्स बढ़ा, अब लोगों की ज्यादा कटेगी जेब

**मुंबई :** महानगर मुंबई में सड़क मार्ग से आवागमन के लिए अब लोगों की जेब ज्यादा कटेगी। मुंबई के एंट्री पॉइंट अर्थात टोल नाकों पर टोल दर में वृद्धि की गई है। यह नई दर आज से लागू हो गई है। इसी के साथ मुंबई में एंट्री महंगी हो जाएगी। मुंबई में आने व जाने वाले चार पहिया निजी वाहनों, टैक्सी, टैंपो और भारी वाहन चालकों की जेब पर टोल दर की वृद्धि का भार पड़ेगा। बता दें कि मुंबई शहर में प्रवेश करने के लिए वाशी, मुलुंड-ईस्ट एक्सप्रेस-वे, मुलुंड एलबीएस मार्ग, ऐरोली और दहिसर ये पांच टोल नाके हैं। इन टोल बूथ से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। अब इन वाहनों के लिए टोल दर बढ़ाई गई है। इसे रविवार १ अक्टूबर से लागू किया जाएगा। मुंबई के प्रवेश द्वार पर २००२ से टोल वसूली शुरू किया गया है और यह २५ वर्षों तक जारी रहेगा। मतलब २०२७ तक वाहन चालकों को टोल (मुंबई टोल) देना होगा।

# ३० साल पुराने रेप केस मामले में २१५ अधिकारियों की सजा...

**चेन्नई : एक ऐतिहासिक फैसले में मद्रास हाई कोर्ट ने ३० साल पुराने रेप केस मामले में २१५ अधिकारियों की सजा के आदेश को बरकरार रखा है। कोर्ट ने इस मामले की सभी अपीलों को खारिज कर दिया। सत्र अदालत ने तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले के एक आदिवासी गांव वाचथी में १९९२ में चंदन तस्करी संबंधी छापेमारी के दौरान यौन उत्पीड़न सहित अन्य अत्याचारों के लिए २१५ लोगों (सभी वन, पुलिस और राजस्व विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों) को दोषी ठहराया।**

जस्टिस पी. वेलमुरुगन ने अपने आदेश में कहा कि इस अदालत ने पाया है कि सभी पीड़ितों और अभियोजन पक्ष के गवाहों के साक्ष्य ठोस और सुसंगत हैं, जो विश्वसनीय हैं।' उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने अपने साक्ष्यों के माध्यम से अपना मामला साबित कर दिया है। २० जून, १९९२ को अधिकारियों ने तस्करी के चंदन की लकड़ी की तलाश में वाचथी गांव पर छापा मारा था। छापे के दौरान संपत्ति और पशुधन का व्यापक विनाश हुआ और १८ महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था। २०११ में धर्मपुरी की एक सत्र अदालत ने मामले में १२६ वनकर्मियों को दोषी ठहराया था, जिनमें चार भारतीय वन सेवा अधिकारी, ८४ पुलिसकर्मी और पांच राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल थे। २६९ आरोपियों में से ५४ की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो गई और शेष २१५ को १ से १० साल तक जेल की सजा सुनाई गई थी। फैसले को बरकरार रखते हुए हाई कोर्ट ने शुक्रवार को सत्र अदालत को सजा की शेष अवधि काटने के लिए सभी आरोपियों को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया। जस्टिस वेलमुरुगन ने तमिलनाडु सरकार को यह भी आदेश दिया कि २०१६ में एक खंडपीठ के आदेश के अनुसार हर रेप सर्वाइवर को तुरंत १० लाख रुपए का मुआवजा जारी किया जाए और अपराध के लिए दोषी ठहराए गए पुरुषों से ५० प्रतिशत राशि वसूल की जाए। अदालत ने सरकार को आरोपियों को बचाने के लिए तत्कालीन जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक (एसपी) और जिला वन अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

# दिल की विभिन्न बीमारियों और हाइपरटेंशन के कारण हुई २५ फीसदी मौतें

**मुंबई :** मुंबई जैसे शहरों में कोरोना के बाद से जीवनशैली में आया बदलाव कई गंभीर बीमारियों को न्यौता दे रहा है। बीमारियों की फेहरिस्त में कैंसर, दिल की बीमारी, किडनी, लीवर आदि संबंधी विकार शामिल हैं। इस सबके बीच मनपा की तरफ से चौंकानेवाली जानकारी सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि पिछले साल मुंबई में हुई कुल मौतों में से २५ फीसदी मौतें दिल की विभिन्न बीमारियों और हाइपरटेंशन के कारण हुई हैं। इसे संज्ञान में लेते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीते नौ महीनों में चलाए गए घर-घर सर्वे अभियान के तहत ३० साल से अधिक आयु वर्ग के १०.४५ लाख लोगों में हाइपरटेंशन की जांच की गई। इसके साथ ही अगस्त २०२२ से मनपा के प्रमुख, उपनगरीय और विशेष अस्पतालों में शुरू किए गए २६ मधुमेह और रक्तचाप जांच केंद्र में ३० साल से अधिक आयु के लगभग ढाई लाख नागरिकों की जांच की गई है। यह जानकारी अतिरिक्त मनपा आयुक्त (पश्चिमी उपनगर) डॉ. सुधाकर शिंदे ने दी।

उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, हिंदुस्थान में हृदय संबंधी बीमारियों से मरनेवालों की संख्या कुल मौतों का २७ प्रतिशत है। इसमें सर्वाधिक मौतें शहरी क्षेत्रों में होती हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए गैर-संचारी रोगों पर अंकुश लगाने के लिए मनपा द्वारा काफी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत जनवरी से स्वास्थ्यकर्मियों और आशा कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर ३० वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का उच्च रक्तचाप स्क्रीनिंग सर्वेक्षण किया जा रहा है। इसके तहत बीते नौ महीनों में कुल १० लाख ४५ हजार नागरिकों की जांच की जा चुकी है। मनपा के अतिरिक्त आयुक्त (पश्चिम उपनगर) डॉ. सुधाकर शिंदे ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से हृदय रोग और पौष्टिक भोजन के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है ताकि वे अपनी जीवनशैली में

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 02 अक्टूबर 2023

# मुंबई के विक्रोली में महिला कांस्टेबल से छेड़छाड़...

## नाबालिग को हिरासत में लिया गया

**मुंबई:** एक महिला कांस्टेबल से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप में एक नाबालिग लड़के को हिरासत में लिया गया, जबकि दो अन्य को कथित तौर पर आरोपी को भागने में मदद करने के आरोप में पकड़ा गया है। पुलिस ने तीनों की पहचान गुप्त रखी है। विक्रोली पश्चिम में हुई इस घटना के बाद इलाके में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है क्योंकि कई लोगों का आरोप है कि आरोपी ईद-ए-मिलाद-उन-नबी जुलूस का हिस्सा था। हालाँकि, पुलिस ने लोगों से ऐसी अफवाहों पर न आने की अपील करते हुए इस सिद्धांत को सिरे से खारिज कर दिया। पार्कसाइट पुलिस ने कहा कि शुक्रवार को रात करीब 11 बजे, कांस्टेबल ड्यूटी के घंटों के बाद सूर्या नगर में अपने रिश्तेदार के घर गई थी, इसके बाद परिवार रात के खाने के लिए बाहर गया था। जब वे सड़क पर चल रहे थे, तो नाबालिग कांस्टेबल की ओर दौड़ा, उसे गलत तरीके से छुआ और भाग गया। तुरंत, उसने अज्ञात लड़के के खिलाफ पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की। महिला कांस्टेबल के परिवार और दोस्तों ने पुलिस स्टेशन के बाहर

विरोध प्रदर्शन किया

हालाँकि, स्थिति तनावपूर्ण हो गई क्योंकि उसके परिवार के सदस्य और कई अन्य लोग 'न्याय की मांग' करते हुए पार्कसाइट पुलिस स्टेशन के बाहर जमा हो गए। शनिवार की सुबह, कई हिंदूवादी संगठन और राजनीतिक दल के सदस्य भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और आरोप लगाया कि आरोपी ईद-ए-मिलाद-उन-नबी जुलूस का हिस्सा था जो घटना के समय सड़क के दूसरी ओर से गुजर रहा था। पुलिस मामले में सांप्रदायिक एंगल से इनकार कर रही है पुलिस उपायुक्त (जोन 7) पुरुषत्तम कराड ने कहा कि अपराधियों का पता लगाने के लिए तुरंत कई टीमें गठित की गईं। ''शनिवार दोपहर तक, हम तकनीकी जांच के माध्यम से आरोपी का पता लगाने में कामयाब रहे। लड़के को भागने में मदद करने वाले दो अन्य लोगों को भी पकड़ लिया गया। जबकि नाबालिग साथी को हिरासत में लिया गया था, आदमी को गिरफ्तार कर लिया गया है, ''उन्होंने दोहराया कि मामले में कोई सांप्रदायिक कोण नहीं है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि इन सभी को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

''संवेदनशील मामले को देखते हुए, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि कोई दंगा या हिंसा न हो। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, संवेदनशील क्षेत्रों में कई मोबाइल वैन और पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। मुख्य आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला करना या आपराधिक बल का प्रयोग करना) और 354 (ए) (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अन्य दो के खिलाफ पूरक प्राथमिकी दर्ज की जायेगी.

## बाल गृह में दुर्व्यवहार:

# बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य से मांगा जवाब

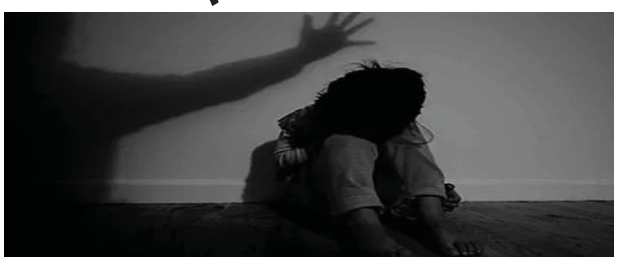

**मुंबई :** मानखुर्द में चिल्ड्रेन्स एड सोसाइटी में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शारीरिक और मानसिक यातना और दुर्व्यवहार का आरोप लगाने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर गंभीरता से ध्यान देते हुए, बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य को अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। आश्रय गृह को सरकार द्वारा विनियमित और वित्तपोषित किया जाता है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ ने जनहित याचिका में गंभीर आरोपों पर विचार करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता जुबिन बेहरामकामदीन और अधिवक्ता गुलनार मिस्त्री को एमिकस क्यूरी (अदालत का मित्र) भी नियुक्त किया।

**मानखुर्द निवासी द्वारा दायर जनहित याचिका**

''बाल गृह के संबंध में आरोपों की प्रकृति और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, जहां मानसिक रूप से विकलांग और अलग तरह से विकलांग छोटे बच्चे रहते हैं, हम वरिष्ठ वकील श्री जुबिन बेहरामकामदीन और इस अदालत के प्रैक्टिसिंग वकील गुलनार मिस्त्री को एमिकस के रूप में नियुक्त करते हैं। क्यूरिया, ''पीठ ने कहा। एचसी मानखुर्द निवासी अभिषेक तिवारी द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें सोसायटी के प्रिंसिपल और दो स्टाफ सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। इसमें अदालत से आरोपों की न्यायिक जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। इसमें यह भी मांग की गई है कि संबंधित व्यक्तियों को सबूत नष्ट करने और बच्चों को धमकी देने से रोका जाए।

याचिकाकर्ता के वकील अजय जयसवाल ने कहा कि याचिकाकर्ता ने पहले पुलिस, समाज कल्याण विभाग और महिला एवं बाल कल्याण विभाग को शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जयसवाल ने तर्क दिया कि आश्रय में बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। सोसायटी की ओर से पेश वकील हिमांशु कोडे ने अदालत को बताया कि आरोपों की उचित जांच की गई और कुछ भी अवैध नहीं पाया गया।

जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर न्यायाधीशों ने टिप्पणी की कि याचिका में आरोपों की प्रकृति को देखते हुए जांच की जरूरत है। न्यायमूर्ति डॉक्टर ने कहा, ''याचिका में आरोपों की प्रकृति अंतरात्मा को झकझोर देती है।'' कोडे ने कहा कि पुलिस ने शुरूआत में शिकायत दर्ज की थी. हालांकि, कुछ नहीं मिलने पर उन्होंने एफआईआर दर्ज नहीं कराई। इसलिए, उन्होंने तर्क दिया कि जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

सीजे ने कहा: ''यह मानसिक रूप से विकलांग बच्चों से संबंधित है। जवाब दाखिल करें. बता दें कि राज्य ने कहा है कि उसने जांच कराई है. यह कहना पर्याप्त नहीं है कि याचिका ही सुनवाई योग्य नहीं है।'' जयसवाल ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्तियों ने साक्ष्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। ''परिसर में कोई सीसीटीवी नहीं हैं। जिन बच्चों ने शिकायत की थी उन्हें दूसरे घर में स्थानांतरित कर दिया गया है,'' उन्होंने कहा। लउ ने राज्य और आश्रय गृह को चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है और जनहित याचिका को 8 नवंबर को सुनवाई के लिए रखा है।

# जारंगे पाटिल ने सरकार से मराठों को कुनबी प्रमाणपत्र देने के लिए 5,000 प्रविष्टियों पर विचार करने की मांग की

**मुंबई :** कार्यकर्ता मनोज जारांगे-पाटिल ने शनिवार को सरकार से मराठवाड़ा गांवों में मिली 5,000 प्रविष्टियों के आधार पर राज्य के सभी मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने का आग्रह किया, जो उन्हें ओबीसी श्रेणी में रखता है। कुनबी ओबीसी श्रेणी में आते हैं, जिसमें राज्य की 400 से अधिक स्थूल और सूक्ष्म जातियां शामिल हैं। 29 अगस्त को जारंगे-पाटिल, जो वर्तमान में राज्य का दौरा कर रहे हैं, ने मराठवाड़ा में सभी मराठों के लिए कुनबी प्रमाण पत्र की मांग के लिए अनिश्चितकालीन उपवास शुरू किया था।

उनकी मांग को स्वीकार करते हुए, सरकार ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि वह मराठवाड़ा के उन मराठों को प्रमाणपत्र प्रदान करेगी जिनके पास निजाम-युग के दस्तावेज हैं, जो उन्हें कुनबी के रूप में मान्यता देते हैं। इसके बाद सरकार ने छत्रपति संभाजीनगर से अधिकारियों की एक टीम हैदराबाद भेजी, जहां उन्होंने पुराने रिकॉर्ड की जांच की। हालाँकि, वे खाली हाथ लौट आए। इसके बाद टीम ने मराठवाड़ा के जिला मुख्यालयों में लगभग एक करोड़ अभिलेखों की जांच की और केवल 5,000 प्रविष्टियाँ पाईं जिनमें मराठाओं को कुनबी के रूप में संदर्भित किया गया था। कार्यकर्ता की नवीनतम मांग इसी विकास के आधार पर आई है।

# वसई में अज्ञात लोगों ने एटीएम से 10 लाख रुपये चुराए

**वसई :** पुलिस ने शनिवार को कहा कि अज्ञात व्यक्तियों ने महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई शहर में एक एटीएम में सेंध लगाई और 10 लाख रुपये से अधिक नकदी लेकर फरार हो गए। घटना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात की है. एक अधिकारी ने बताया कि नकदी चुराने से पहले चोरों ने कियोस्क के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे छिड़क दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की पहचान करने के लिए तलाश जारी है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com